Regarding urgent needs of big hospitals like AIIMS in Prayagraj district

श्री उज्ज्वल रमण सिंह **(**इलाहाबाद**) :** माननीय सभापति महोदया, मैं प्रयागराज से आता हूं । यह लगभग 70 लाख की आबादी वाला जिला है, लेकिन यहां कोई भी बड़ा अस्पताल नहीं है । इसके बगल में चित्रकूट, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, भदोही, मिर्ज़ापुर, सोनभद्र के साथ-साथ मध्य प्रदेश के रीवा, सीधी, सतना, मैहर आदि क्षेत्र के मरीज़ भी प्रयागराज आते हैं ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि प्रयागराज जैसे महत्वपूर्ण जिले में अभी लाखों-करोड़ों श्रद्धालु आए, जिसकी महिमा और गुणगान प्रधान मंत्री जी ने भी किया, लेकिन वहां एक एम्स अस्पताल देने के नाम पर कोई भी ठोस आश्वासन नहीं मिलता है । मैं कहना चाहता हूं कि अगर प्रयागराज का कोई मरीज़ दिल्ली में आकर इलाज़ कराता है तो एम्स में उसको दो-दो सालों की वेटिंग मिलती है । आज एम्स की बदहाली का हाल यह है, वहां की फैकल्टीज़ में चिकित्सकों की कमी का हाल यह है कि मरीज़ मर जाता है, लेकिन उसका इलाज़ नहीं हो पाता है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि नयी दिल्ली में डॉक्टर्स के 390 पद खाली हैं, जिनमें प्रोफेसर के 115 पद और सहायक प्रोफेसर के 275 पद खाली हैं ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, धन्यवाद ।

माननीय सदस्य श्री गोविन्द मकथप्पा जी ।

? (व्यवधान)